ऊर्जा खपत में भारत का तीसरा स्थान लेकिन कार्बन उत्सर्जन कम : प्रधान

जागरण संवाददाता, देहरादूनः यूपीईएस में अमृत काल विमर्श आन विकसित भारत-2047 पर आयोजित कार्यक्रम में बदलते भारत की बहुआयामी तस्वीर रखी गई। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि आज भारत तमाम क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र का दर्जा हासिल कर लेगा।

मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि आज हमारा देश हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है और विश्व कैसे सुरक्षित रहे,

- **यूपीईएस में अमृत काल विमर्श आन विकसित भारत-2047 पर किया गया कार्यक्रम का आयोजन**
- **केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने वर्ष 2047 तक भारत के विकसित होने पर जताया भरोसा, युवाओं में भरा जोश**

कहा कि ऊर्जा खपत में भारत विश्व के तीसरे पायदान पर खड़ा है, मगर कार्बन उत्सर्जन की बात की जाए तो हम प्रदूषक राष्ट्रों की सूची में नहीं हैं। इसके बाद भी हम वैश्विक चिंता करते हुए कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए वैकल्पिक ऊर्जा और ऊर्जा संरक्षण के तमाम साधनों पर आगे भारत चौथे नंबर पर आ गया है। भारत की ही पहल पर जी-20 के शिखर सम्मेलन में बायोफ्यूल एलायंस का गठन किया जा चुका है। वर्ष 2014 तक ईंधन में एक प्रतिशत एथेनाल का प्रयोग किया जाता था, जिसे वर्ष 2023 में बढ़ाकर 10 प्रतिशत किया गया है और वर्ष 2025 तक इसे 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। केंद्रीय मंत्री ने विषय के अनुरूप आगे बढ़ते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के आंकड़ों के अनुसार भारत के लाखों लोग गरीबी रेखा से निकलकर मध्यम वर्ग की श्रेणी में आ रहे हैं। आज विश्व का 46 प्रतिशत यूपीआइ भुगतान भारत